एन पी टी आई
NPTI
प्रावीण्यं परोपवृत्तिश्च

प्रोफ़ेसर (डा.) राजेन्द्र कुमार पाण्डेय

महानिदेशक, एन.पी.टी.आई.

महानिदेशक महोदय की ओर से

मेरे प्रिय सम्मानित सहकर्मी, 11 जुलाई 2016

आप सभी को सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि आज प्रातः मैंने महानिदेशक ,एनपीटीआई का कार्य-भार ग्रहण कर लिया है। एनपीटीआई जैसे विश्व के अग्रणी समेकित विद्युत प्रशिक्षण संस्थान , जो पिछले 5 दशक से देश की सेवा मे तत्पर है , उससे जुड़ना मेरे लिए बड़े सम्मान और प्रतिष्ठा की बात है । आप को सूचित करना है कि इक्कीसवी सदी मे एनपीटीआई की भूमिका बहुत चुनौती पूर्ण है क्योकि भारत सरकार ने उच्चतर दक्षता, विश्वसनीय पद्धति का संचालन तथा उपभोक्ताओ को स्पर्धीमूल्य पर विद्युत उपलब्ध करने के लिए विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण के क्षेत्र मे स्मार्ट प्रणाली का विकास करने के लिए कदम बढ़ाने का निश्चय किया है।

मुझे विश्वास है कि आप माननीय प्रधानमंत्री जी के सन 2022 तक 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता स्थापित करने के लक्ष्य से भली-भांति परिचित है। माननीय विद्युत मंत्री श्री पीयूष गोयल जी ने इस लक्ष्य को अधिक गति देने के लिए बिना देर किए राष्ट्र स्तर पर पूरी शक्ति और समर्पण के साथ लगे है। सरकारी संगठनो मे ही नहीं बल्कि देश के सभी निजी व जन संस्थाओ के ग्रिड संयोजित तंत्रो मे सौर ऊर्जा के प्रयोगो का प्रभाव अब दिखाई देने लगा है। आप अवगत होंगे कि भारतीय रेल प्रशासन , रेल गाड़ियो के छतों एवं खुले क्षेत्रो मे 30 गीगावाट उत्पादन की क्षमता वाले बड़े सौर ऊर्जा सन्यंत्रों की स्थापना करने जा रहा है। इसके लिए उच्च स्तरीय और तकनीशियन स्तरीय, उच्च शिक्षित एवं कुशल मानव-शक्ति आवश्यक है।

एनपीटीआई की प्रमुख भूमिका न केवल वर्तमान ताप, जल, एवं गैस सन्यंत्रों के लिए प्रशिक्षित मानव-शक्ति तैयार करने की है अपितु इसे आने वाली नवीकरणीय ऊर्जा विकास कार्यक्रम के लिए स्मार्ट ऊर्जा नियंत्रण तकनीक द्वारा ऊर्जा स्वांतंत्रता और ग्रिड समंजस्य प्राप्त करने की दिशा मे कार्य करने की है।

आप को बताना चाहता हूँ कि मै आप लोगो के साथ बहुत ही व्यक्तिगत तौर पर मिलकर , अपनी पूरी क्षमता , ईमानदारी, एवं सच्ची नियत के साथ एनपीटीआई की सेवा करना चाहता हूँ। आने वाले कुछ

राजेन्द्र कुमार पाण्डेय
११. ६. २०१६

महीनो मे यथा संभव मै अधिक से अधिक लोगो के साथ मिलना चाहता हूँ ताकि आप द्वारा किए गए आवश्यक कार्यों कि जानकारी प्राप्त कर सकूँ और यह भी जान सकूँ कि आप सबने किस प्रकार विद्युत प्रक्षेत्र मे प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास के क्षेत्र मे उल्लेखनीय योगदान किया है।

चूंकि हमने विकासशील ऊर्जा क्षेत्र की भावी आवश्यकताओ की दृष्टिगत रखते हुए मिलकर एक नई यात्रा की शुरूआत की है , हमारे कंधो पर वर्ष 2027 तक स्थापित होने वाले 685 गीगावाट क्षमता (संभावित) के लिए विद्युत उत्पादन, पारेषण, वितरण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रो मे सभी स्तरो पर कौशल विकास के साथ-साथ प्रशिक्षित , कुशल मानव-शक्ति तैयार करने की ज़िम्मेदारी है।

हमारा संस्थान प्रशिक्षण व मानव संसाधन विकास के क्षेत्र मे कार्यरत है जो कभी खत्म नहीं होने वाली प्रक्रिया है और तकनीकी विकास के साथ निरंतर चलने वाला है , अतः सभी एनपीटीआईयन्स को मै अपने दिल की गहराई से उनके द्वारा पूर्व मे प्रदर्शित समर्पण और लगन की सराहना करता हूँ, जो गतिशील युग मे वर्तमान तकनीकी ज्ञान के विकास के साथ और भी चुनौती पूर्ण है।

इसलिए आज मै आप सभी से अपील करता हूँ कि आप लगन के साथ परिश्रम पूर्वक इस सम्मिलित प्रयास मे नई शक्ति एवं ऊर्जा के साथ जुड़कर, नई उचाइयो को प्राप्त करने एवं ऊर्जा प्रक्षेत्र मे प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास मे एनपीटीआई को न केवल अपने देश मे बल्कि विश्व मे अग्रणी प्रशिक्षण संस्थान की भूमिका सुनिश्चित करने मे अपना अमूल्य योगदान दे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप भी मेरी तरह ऊर्जित है क्योकि मै अपने सामने अपार संभावनाए देख रहा हूँ । मुझे अपनी टीम एनपीटीआई मे पूर्ण विश्वास है।

जय हिन्द!

आप का

राजेन्द्र कुमार पाण्डेय

(डा राजेंद्र कुमार पाण्डेय) 11.6.2016